सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 266 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 4 नवम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

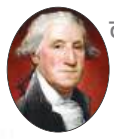

वह समय बहुत नजदीक है, जो तय करेगा कि अमेरिकी स्वतंत्र होंगे या गुलाम।
-जार्ज वाशिंगटन

डब्ल्यूटीसी फाइनल: भारत की आगे की राह... 7
पोस्टरों के जरिए उत्तर प्रदेश की... 3
मीडिया के मनोबल का एनकाउंटर... 2

अर्थव्यवस्था की तबाही पर विपक्ष का पीएम मोदी पर जोरदार प्रहार

'भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत को बर्बाद कर रही हैं'

- बीजेपी ने आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटा
- 15 मिनट में ही निवेशकों के 5.15 लाख करोड़ डूब गए
- विपक्ष बोला- त्यौहारी मौसम में भी मायूस रहा बाजार
- टीडीपी नेता के बयान से भी एनडीए सरकार पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शेयर बाजार में हो रहे उतार-चढ़ाव, देश की अर्थव्यवस्था में मची उथल-पुथल व आम जनता की गाढ़ी कमाई के अरबों डूबने को लेकर एनडीए की मोदी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पीएम मोदी को चुनौती देते हुए कहा देश के पीएम ने जनता का सारा पैस लूटकर देश की अर्थव्यवस्था में उथल-पुथल मचाई है।

वहीं वक्फ मुद्दे पर तेलगू देशम नेता के इस बयान पर कि इस बिल का समर्थन आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू नहीं करेंगे पर भी बवाल मचा है।

विपक्ष के खिलाफ झूठ बोलने के बजाय असल मुद्दों पर बोलें पीएम : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह कर रही हैं। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि वह विपक्ष के खिलाफ झूठ बोलने के बजाय भविष्य की अपनी चुनावी रैलियों में देश के असल मुद्दों पर बोलें। खरगे ने कहा कि फर्जी बयानबाजी, जनकल्याण के असल मुद्दों की जगह नही ले सकती। अर्थव्यवस्था कम खपत, उच्च मुद्रास्फीति, बढ़ती असमानता, निवेश में कमी और वेतन में ठहराव की कमी से जूझ रही है। खरगे ने आरोप लगाया कि उद्योग जगत के दिग्गज भी कह रहे हैं कि देश का मध्यम वर्ग सिमट रहा है क्योंकि मोदी सरकार कमरतोड़ महंगाई और लोगों की बचत खत्म करके गरीब और मध्यम वर्ग को बड़ा झटका दे रही है।

आंकड़ों के आधार पर मोदी सरकार को घेरा

खरगे ने लिखा कि पांच निर्विवाद तथ्य है- खाद्य महंगाई 9.2 प्रतिशत पहुंच गई है। सब्जियों की मुद्रास्फीति (महंगाई) अगस्त में 10.7 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर सितंबर 2024 में 14 महीने के उच्चतम स्तर 36 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह एक तथ्य है कि एफएमसीजी क्षेत्र में मांग में भारी गिरावट देखी गई है, बिक्री में वृद्धि एक साल में 10.1 प्रतिशत से घटकर सिर्फ 2.8 प्रतिशत रह गई है। यह आपके अपने वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में यह कहा गया है। खरगे ने दावा किया कि एफएंडबी क्षेत्र में तेजी, जो पहले दोहरे अंकों में हुआ करती थी, अब घटकर 1.5-2 प्रतिशत रह गई है। एफएमसीजी कंपनियों ने मार्जिन में कमी आई है और अगर कंपनियों के लिए कच्चे माल की लागत ज्यादा हो जाती है तो इससे कीमतों में वृद्धि होगी। कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि घरेलू बचत 50 साल के निचले स्तर पर आ गई है। सितंबर में यात्री वाहनों की बिक्री में 19 प्रतिशत की गिरावट आई है और अक्टूबर में अधिकांश बिक्री स्थिर रही। खरगे ने दावा किया कि वित्त मंत्रालय ने कहा है कि ऑटोमोबाइल बिक्री में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री अभी भी 2018 के आंकड़ों को पार नहीं कर पाई है। भाजपा की जनविरोधी नीतियां भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं।

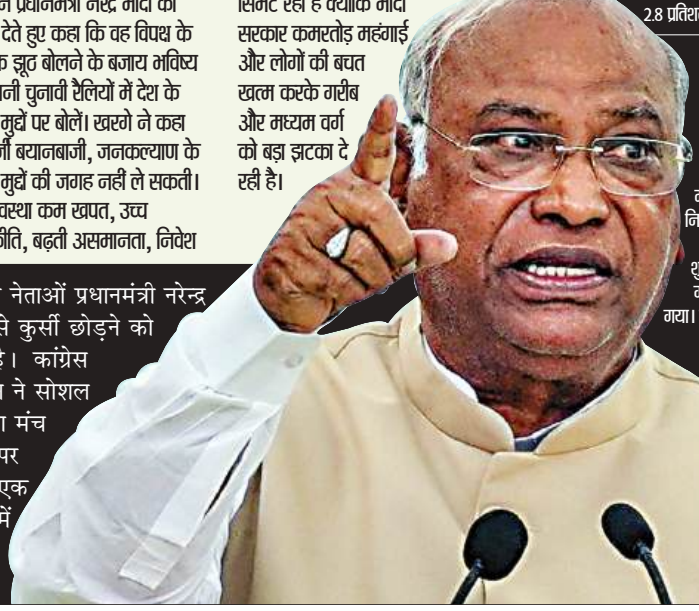

शेयर मार्केट में हाहाकार

भारतीय शेयर मार्केट में सोमवार (4 नवंबर 2024) को ट्रेडिंग शुरू होते ही भारी गिरावट दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों 1 फीसदी से अधिक की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे हैं। शेयर मार्केट की इस भारी गिरावट के चलते शुरुआती 15 मिनट में ही निवेशकों के 5.15 लाख करोड़ डूब गए। आइए जानते हैं कि शेयर मार्केट में इस भारी गिरावट की वजह क्या है। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 665.27 अंक गिरकर 79,058.85 पर आ गया। एनएसई निफ्टी 229.4 अंक गिरकर 24,074.95 पर आ गया। इससे शुरुआती 15 मिनट में ही निवेशकों के 5.15 लाख करो? डूब गए। 30 शेयरों वाले सेंसेक्स पैक में सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टाइटन, मारुति और एनटीपीसी में ज्यादा गिरावट दिखी। वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और इंडसइंड बैंक हरे निशान में थे।

वक्फ विधेयक को पारित नहीं होने देंगे नायडू: नवाब

केंद्र की एनडीए सरकार में अहम सहयोगी टीडीपी की आंध्र प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष नवाब जान ने कहा कि सबको मिलकर वक्फ संशोधन विधेयक को पारित होने से रोकना चाहिए। नवाब जान ने जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से आयोजित 'संविधान बचाओ सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ऐसे इंसान हैं, जो मुसलमानों के हितों को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी विधेयक को पारित नही होने देंगे। उन्होंने ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक को जेपीसी के पास भेजना भी नायडू की वजह से मुमकिन हुआ।

विपक्षी नेताओं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कुर्सी छोड़ने को कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आम नागरिकों से उनका सारा पैसा लूटकर आपने जो आर्थिक उथल-पुथल मचाई है, उस पर एक नजर डालिए! यहां तक कि त्योहारों का उल्लास भी भारत की अर्थव्यवस्था को उत्साहित नहीं कर सका।

दया याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की केंद्र को फटकार

- पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी से संबंधित है रिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से कहा कि अगर वे बेअंत सिंह हत्याकांड के दोषी बलवंत सिंह रजाओना की दया याचिका पर विचार नहीं करते हैं तो हम करेंगे। बेअंत सिंह पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री थे, साल 1995 में उनकी हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में बलवत सिंह रजाओना को दोषी ठहराया गया था।

जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने बलवंत सिंह रजाओना की याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। याचिका में कहा गया है कि उसकी दया याचिका पर फैसला लेने में हुई बहुत देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल देना चाहिए। 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने रजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था। गौरतलब हो कि 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोग मारे गए थे। इस मामले में जुलाई 2007 में एक विशेष अदालत ने बलवंत सिंह रजोआना को दोषी ठहराते हुए उसे मौत की सजा सुनाई थी। मार्च 2012 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) ने उसकी ओर से संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत सुप्रीम कोर्ट में दया याचिका दायर की थी। पिछले साल 3 मई को सर्वोच्च न्यायालय ने रजोआना की मौत की सजा को कम करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि सक्षम प्राधिकारी ही दया याचिका पर विचार कर सकते हैं।

अदालत बोली- फैसला लें वरना हम विचार करेंगे

राष्ट्रपति के पास 12 साल से लंबित है याचिका

केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि रजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति भवन में लंबित है, जिसके बाद पीठ ने उनसे कहा, किसी भी तरह से फैसला करें या हम इस पर (राजोआना की याचिका) विचार करेंगे। दया याचिका पर फैसला होने तक रजोआना की रिहाई की मांग करते हुए रजोआना के वकील वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि रजोआना 29 साल से लगातार हिरासत में है। रोहतगी ने कहा कि उनकी दया याचिका पिछले 12 साल से राष्ट्रपति भवन में लंबित है। कृपया उन्हें छह या तीन महीने के लिए रिहा कर दें। कम से कम उन्हें यह देखने दें कि बाहरी दुनिया कैसी दिखती है। वहीं पंजाब सरकार ने पीठ को बताया कि उन्हें मामले में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए।

पत्रकार हत्याकांड : योगी सरकार पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उठाए सवाल, कहा-

मीडिया के मनोबल का एनकाउंटर कर रही भाजपा

» टीवी पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या से गरमाई सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार की कानून व्यवस्था पर फिर सवाल उठाए है। दरअसल, उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में टीवी पत्रकार दिलीप सैनी की हत्या मामले में सियासत गर्म है। पत्रकार की हत्या के तीन दिन बाद पुलिस ने इस मामले में पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। वहीं चार अन्य नामजद और छह अज्ञात व्यक्ति अभी भी फरार बताए जा रहे है। पुलिस हमलावरों की संगठित गतिविधियों के कारण उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट लगाने की योजना बना रही है।

सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एक पत्रकार की हत्या, पत्रकारों पर दबाव बनाना, पत्रकारों को बांधना, पत्रकारों पर एफआइआर कराना, पत्रकारों को निर्वस्त्र करके मारना, पत्रकारों को अवांछित पेयपान कराना, भाजपा राज में मीडिया के 'मनोबल के एनकाउंटर' का हर हथकंडा अपनाया जा रहा है। मीडिया कहे आज, नहीं चाहिए भाजपा।

एक वीडियो भी किया पोस्ट

उन्होंने आगे लिखा कि मीडिया कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा। इसके साथ बी उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें कुछ लोग एक युवक को निर्वस्त्र करके पीटते नजर आ रहे हैं। वीडियो हमारपुर जिले का बताया जा रहा है। अखिलेश यादव के पोस्ट करने के बाद लोग इस पर कमेंट करके अपने-अपने विचार व्यक्त कर रहे हैं। अतिभ्रष्ट शासन के चिराग़ के नीचे भ्रष्ट प्रशासन का अंधेरा नहीं, अंधेरगर्दी है।

बेईमानी में पुलिस को पार्टनर बना लिया

उन्होंने आगे लिखा कि उप्र में जनता देख रही है कि किस तरह हर शहर, गली, मोहल्ले में जमीनों पर कब्जे, प्लाटिंग, रंगदारी-वसूली में भाजपाई लोग संलिप्त हैं। हर अपराध और गोरखधंधे के पीछे शासन से नालबद्ध संबंध रखने वाले भाजपा के ही गुर्गे हैं। भाजपा सरकार ने अपनी बेईमानी में पुलिस को पार्टनर बना लिया है। जो पुलिसवाले ईमानदारी-जिम्मेदारी से काम करना चाहते हैं, उन्हें केंद्रीय भूमिका से दूर भेजकर साइड लाइन कर दिया गया है।

पत्रकार दिलीप सैनी की दिवाली के एक दिन पहले हुई थी हत्या

दिलीप सैनी (फाइल फोटो)

दिलीप सैनी पर 30 अक्टूबर को बिसलुई में उनके आवास पर कथित तौर पर हमला किया गया और उनकी हत्या कर दी गई थी। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि यह अपराध जमीन और अन्य संपत्ति को लेकर हुए विवाद के कारण हुआ है। पुलिस ने दावा किया कि 38 वर्षीय दिलीप सैनी और आरोपी एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते थे। सैनी एक समाचार चैनल में स्ट्रिंगर के रूप में काम करते थे। सैनी की पत्नी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, आरोपी 30 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे उनके घर पहुंचे और सैनी से बहस करने लगे। यह बहस तब और बढ़ गई जब आरोपी जबरन अंदर घुस आए। इसके बाद सैनी पर धारदार हथियार और देसी पिस्तौल से हमला कर दिया गया। इस दौरान सैनी को बचाने के लिए जो भी सामने आया, उसके ऊपर भी हमला कर दिया गया। शोरगुल सुनकर जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो हमलावर भागने में सफल रहे।

वोट बैंक के लिए तुष्टिकरण सपा का एजेंडा : केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मे नौ विधानसभा क्षेत्रो मे 13 नवंबर होने वाले उपचुनाव के बीच उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए दावा किया कि विपक्षी दल का असली एजेंडाः मुस्लिम तुष्टिकरण और वोटबैंक के लिए जिहादियो को खुला समर्थन देना है। मौर्य ने अपने आधिकारिक एक्स खाते पर एक पोस्ट मे आरोप लगाया, सपा का असली एजेंडाः मुस्लिम तुष्टिकरण और वोटबैंक के लिए जिहादियो को खुला समर्थन देना है। मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को घेरते हुए इसी पोस्ट मे सवाल उठाया, लव जेहाद, लैंड जेहाद, वोट जेहाद-हर मोर्चे पर समाज को बांटने की राजनीति, क्या यही श्री अखिलेश यादव के समरसता का दावा है? उप मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या यही पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) है ? सपा का चरित्र और चेहरा दोनो बेनकाब हो चुका है।

सपा समर्थक मतदाताओं पर भाजपा के पक्ष में मतदान करने का दबाव बना रही पुलिस : पाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने आरोप लगाया कि मुरादाबाद जिले के कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र में 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव के लिए पुलिसकर्मी सपा समर्थक मतदाताओं और कार्यकर्ताओं पर भाजपा के पक्ष में प्रचार व मतदान करने का दबाव बना रहे हैं।

सपा प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया कि है कि कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले चार थानों के पुलिस कर्मी व पुलिस प्रशासन द्वारा समाजवादी पार्टी के समर्थकों मतदाताओं, कार्यकर्ताओं पर भाजपा के पक्ष में प्रचार व मतदान करने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। इसी ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया है कि आंबेडकरनगर जिले के कटेहरी विधानसभा क्षेत्र में भी बिना कारण सपा समर्थकों के वाहन जब्त किए जा रहे है। पाल ने अपने ज्ञापन में मुरादाबाद जिले के थाना कुंदरकी, थाना मैनाठेर, बिलारी आदि स्थानों पर तैनात पुलिसकर्मियों, अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों का उल्लेख करते हुए उन्हें अन्यत्र तैनात करने की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भाजपा के पक्ष में मतदान व प्रचार से इनकार करने वालों को मतदान से दो दिन पहले कुन्दरकी विधानसभा क्षेत्र से बाहर चले जाने की चेतावनी दी जा रही है और इसका पालन न करने वालों को फर्जी मुकदमे में फंसाने, जेल भेजने, मकानों पर बुलडोजर चलवाने की धमकियां दी जा रही हैं।

झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू नहीं की जाएगी : हेमंत सोरेन

» सीएम बोले- जहर उगल रहे हैं भाजपा नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में समान नागरिक सहिंता (यूसीसी) लागू करने की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की घोषणा के कुछ ही देर बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य में न तो यूसीसी और न ही राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) लागू की जाएगी।

सोरेन ने जोर देकर कहा कि झारखंड आदिवासी संस्कृति, भूमि और अधिकारों की रक्षा के लिए केवल छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) और संथाल परगना काश्तकारी (एसपीटी) अधिनियमों का पालन करेगा। गढ़वा में एक रैली में सोरेन ने कहा, यहां न तो समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी और न ही एनआरसी। झारखंड पूरी तरह से छोटानागपुर काश्तकारी और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियमों का पालन करेगा। ये लोग (भाजपा नेता) जहर उगल रहे हैं और उन्हें आदिवासियों, मूल निवासियों, दलितों या पिछड़े समुदायों की कोई परवाह नहीं है। इससे पहले, शाह ने भाजपा का घोषणापत्र जारी करते समय कहा,हमारी सरकार झारखंड में समान नागरिक संहिता लागू करेगी, लेकिन आदिवासियों को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा। हेमंत सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की सरकार यह झूठा प्रचार कर रही है कि समान नागरिक संहिता आदिवासी अधिकारों, संस्कृति और संबंधित कानून को प्रभावित करेगी। शाह ने जोर देकर कहा कि समान नागरिक संहिता भले ही लागू की जाएगी, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाएगा कि आदिवासियों के अधिकार प्रभावित न हों। सोरेन ने शाह की इस टिप्पणी पर भी तीखा हमला बोला कि झामुमो नीत गठबंधन नक्सलवाद को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि दो चरणों में चुनाव होना इस बात का प्रमाण है कि नक्सलवाद पर अंकुश लगा दिया गया है, जबकि पहले चुनाव पांच चरण में होते थे। सोरेन ने भाजपा की तुलना सूखते हुए पेड़ से की और उसे उखाड़ फेंकने का संकल्प जताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का लक्ष्य खनिज संपदा के लिए स्थानीय निवासियों को विस्थापित करना है।

गरीब बच्चों के साथ खिलवाड़ कर रही योगी सरकार : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने एक बार फिर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम छात्रों वाले बदहाल 27,764 परिषदीय प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने का फैसला उचित नहीं है। ऐसे में गरीब बच्चे आखिर कहां और कैसे पढ़ेंगे।

राज्य सरकार को दूसरे स्कूलों में उनका विलय करने की बजाय उनमें जरूरी सुधार करके बेहतर बनाने के उपाय करने चाहिए। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि यूपी व देश के अधिकतर राज्यों में खासकर प्राइमरी व सेकंडरी शिक्षा का बुरा हाल है। इसकी वजह से गरीब परिवारों के करोड़ों बच्चे अच्छी शिक्षा से दूर होने के साथ सही शिक्षा से भी वंचित हैं।

सुरक्षा तंत्र आतंकी हमले को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करे : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने यहां एक रविवार बाजार में हुए ग्रेनेड हमले की निंदा करते हुए कहा कि सुरक्षा तंत्र को आतंकवादी हमलों में वृद्धि को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। शहर के मध्य में स्थित भीड़-भाड़ वाले बाजार के पास सीआरपीएफ के एक बंकर की ओर आतंकवादियों द्वारा ग्रेनेड फेंके जाने से 11 लोग घायल हो गए, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

अब्दुल्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पिछले कुछ दिनों से घाटी के कुछ हिस्सों में हमलों और मुठभेड़ की खबरें चर्चा में रही हैं। श्रीनगर के रविवार बाजार में निर्दोष दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की आज की खबर बेहद परेशान करने वाली है।

निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने का कोई औचित्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, सुरक्षा तंत्र को जल्द से जल्द हमलों की इस लहर को रोकने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, ताकि लोग बेखौफ होकर अपना जीवन जी सकें।

जम्मू-कश्मीर पुलिस प्रभावी कदम उठाए : तारिक हमीद

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने भी ग्रेनेड हमले की निंदा की। दुकानदारों पर ग्रेनेड हमले की दुर्भाग्यपूर्ण और भयावह घटना के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ...। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर पुलिस को ऐसे क्रूर और अमानवीय हमलों को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए ताकि लोग निर्भीक होकर कहीं भी आ-जा सकें। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना की।

पोस्टरों के जरिए उत्तर प्रदेश की राजनीति साधने की तैयारी

'बंटेंगे तो कटेंगे' पर सपा का जवाब 'जुड़ेंगे तो जीतेंगे'

- राजधानी लखनऊ की सड़कों पर लगे हैं जुड़ेंगे तो जीतेंगे के पोस्टर
- भाजपा के बंटेंगे तो कटेंगे की काट के तौर पर पार्टी की नई रणनीति
- सपा के प्रदेश सचिव की ओर से जारी किए गए पोस्टर पर अब राजनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजनीति को पोस्टर के जरिए सेट करने की कोशिश की जा रही है समाजवादी पार्टी ने एक बार फिर नया पोस्टर जारी किया है। इसमें उन्होंने जुड़ेंगे तो जीतेंगे का नारा दिया है इस नारे को भारतीय जनता पार्टी के बाटेंगे तो काटेंगे के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पिछले दिनों आगरा की जनसभा में बंटेंगे तो काटेंगे का नारा दिया था। इसके बाद से लगातार इस पर चर्चा तेज हुई है।

दिवाली के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में आयोजित जनसभा के दौरान नया नारा दिया। उन्होंने कहा है कि एक हैं तो सेफ हैं। इसे भी बंटेंगे तो कटेंगे के विस्तार के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, सरदार पटेल की जयंती के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को एकता के सूत्र में बंधने वाले सूत्रधार के जीवन सूत्र को सामने रखा। हालांकि, अब राजनीतिक तौर पर इसकी विवेचना शुरू हो गई है। पीएम मोदी के शब्दों को अपने हिसाब से पेश किया जा रही है। अभी इस मुद्दे पर राजनीति गरमती दिख रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश में 9 सीटों पर 13 नवंबर को होने जा रही वोटिंग से पहले प्रदेश की राजनीति में भी गरमाहट आ रही है। भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी लगातार इन सीटों पर बढ़त बढ़ाने की कोशिश में है। ऐसे में नए नारे रचे-गढ़े जा रहे हैं।

क्या है नया पोस्टर मामला?

समाजवादी पार्टी की ओर से राजधानी लखनऊ की सड़कों पर एक नया पोस्टर जारी किया गया है। इस पोस्टर में नारा दिया गया है जुड़ेंगे तो जीतेंगे। देवरिया के समाजवादी पार्टी नेता और प्रदेश सचिव विजय प्रताप यादव की ओर से यह पोस्टर जारी किया गया है। इसे भारतीय जनता पार्टी की ओर से दिए जा रहे नारे बाटेंगे तो काटेंगे के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। इससे पहले समाजवादी पार्टी दफ्तर और राजधानी के कई इलाकों में सताइस का सत्ताधीश पोस्टर चिपकाया गया था। इसके जरिए यूपी चुनाव 2027 में अखिलेश यादव की जीत के नारे रचे गए थे। अब नए पोस्टर के जरिए यूपी के मतदाताओं को एकजुट करने की कोशिश की जाती दिख रही है।

मुद्दों पर भी घेरने का प्रयास

भाजपा को अब सपा ने मुद्दों पर भी घेरने की कोशिश शुरू की है। दिवाली के मौके पर महंगाई के मुद्दो को उठाया गया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों के चलते त्यौहारों के रंग फीके हो गए हैं। सब्जी से लेकर खाद्य पदार्थों और तेल के दाम इतने बढ़े हुए है कि घरों में पकवान की सुगंध किचन से बाहर नहीं आ पाती है। भाजपा राज में महामंहगाई में पुराने मुहावरे का नया प्रयोग मंहगे तेल ने जनता का तेल निकाला हो गया है। भाजपाई अर्थशास्त्र में मूल्य बढ़ने का कारण मांग बढ़ना नहीं, बल्कि बेलगाम मुनाफाखोरी बढ़ना होता है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा मुनाफाखोरी और बोरी की चोरी दोनों के लिए जानी जाती है। आम लोग दैनिक जीवन में तमाम परेशानियों से गुजर रहा है। वहीं, सरकार बड़े-बड़े विज्ञापन प्रकाशित कर न जाने किस विकास का बखान करती है। प्रदेश में विकास के नाम पर यदि कुछ हो रहा है तो वह है अपराध और अपराधियों का विकास। साथ ही, उन्होंने दीपोत्सव पर भी निशाना साधा।

मतदाताओं को जोड़ने की कोशिश

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पीडीए के जरिए अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। वह प्रदेश के तमाम मतदाताओं को एकजुट करने की प्रयास में है। ऐसे में जुड़ेंगे तो जीतेंगे के नारे को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। वह तमाम मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में एकजुट करने- जोड़ने में जुटे हुए हैं।

राजस्थान : गहलोत के बनाए छोटे जिले खत्म होना लगभग तय!

दूदू, सांचौर, गंगापुर सिटी, शाहपुरा और केकड़ी पर भी फैसला

- कांग्रेस के पिछले कार्यकाल में कई नए जिले बनाए थे
- इन जिलों का क्षेत्रफल और जनसंख्या बहुत कम
- जिला बनाने के मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में गहलोत सरकार ने कांग्रेस सरकार के समय बने जिलों की समीक्षा के लिए मंत्रियों की एक कमेटी बनाई थी। यह कमेटी जल्द ही अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस रिपोर्ट में छोटे जिलों को खत्म करने या फिर उन्हें बनाए रखने पर सिफारिशें दी गई हैं। कमेटी का मानना है कि जिन जिलों का गठन जरूरी मानदंडों को पूरा नहीं करता है, उन्हें मिला दिया जाना चाहिए।

रिपोर्ट नवंबर में होने वाले उपचुनाव के बाद सौंपी जाएगी और उसके बाद सरकार इस पर अंतिम फैसला लेगी। गहलोत सरकार ने कांग्रेस के पिछले कार्यकाल में कई नए जिले बनाए थे। लेकिन इनमें से कई जिलों के गठन पर सवाल उठते रहे हैं। विपक्षी दल भाजपा का आरोप रहा है कि ये जिले राजनीतिक कारणों से बनाए गए थे। इन जिलों का क्षेत्रफल और जनसंख्या बहुत कम है और वे जिला बनाने के मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं।

इन जिलों के अस्तित्व खतरे में

रिव्यू कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में गहलोत सरकार के समय बने छोटे जिलों को खत्म करने की सिफारिश की है। कमेटी का मानना है कि जिन जिलों का क्षेत्रफल और जनसंख्या बहुत कम है, उन्हें मिला दिया जाना चाहिए। ऐसे जिलों में दूदू, सांचौर, गंगापुर सिटी, शाहपुरा और केकड़ी शामिल हैं। कमेटी ने अपनी रिपोर्ट तैयार करने से पहले सभी जिलों का दौरा किया था और स्थानीय लोगों और अधिकारियों से बातचीत की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जो जिले मापदंड पूरे कर रहे हैं, जहां जनसंख्या और क्षेत्रफल ज्यादा है, लोगों की सुविधा के लिए जिला बनना जरूरी है। उन जिलों को बरकरार रखने की सिफारिश होगी।

उपचुनाव के बाद जिलों के पुनर्गठन पर फैसला लेगी सरकार

कमेटी की सिफारिशों के आधार पर सरकार नवंबर में होने वाले उपचुनाव के बाद जिलों के पुनर्गठन पर फैसला लेगी। हालांकि, सरकार के इस फैसले का कई नेताओं और स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। विरोध करने वालों का कहना है कि जिलों का पुनर्गठन जनहित में नहीं है। दरअसल, जिलों के पुनर्गठन का मामला काफी संवेदनशील होता है। नए जिले बनने से स्थानीय लोगों को प्रशासनिक सुविधाएं तो मिलती हैं, लेकिन साथ ही सरकारी खर्च भी बढ़ता है। वहीं, जिलों को मिलाए जाने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले में सरकार को एक संतुलित फैसला लेना होगा, जिससे जनता के हितों का भी ध्यान रखा जा सके और सरकारी खजाने पर भी ज्यादा बोझ न पड़े।

पुनर्गठन का फैसला 31 दिसंबर से पहले करना होगा

इस बीच, सरकार को छोटे जिलों को मर्ज करने और पुनर्गठन का फैसला 31 दिसंबर से पहले करना होगा। 31 दिसंबर तक ही जनगणना रजिस्ट्रार जनरल ने जिलों से लेकर उपखंड, तहसील व नए गांव बनाने और उनकी बाउंड्री बदलने की छूट दे रखी है। 1 जनवरी 2025 से नई प्रशासनिक यूनिट बनाने और प्रशासनिक यूनिट की बाउंड्री बदलने पर रोक लग जाएगी। पहले 1 जुलाई से सीमाएं फ्रीज थीं। सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर छूट मांगी थी। इसके बाद में बजट में जिले, तहसील, उपखंड और गांवों के गठन की छूट दी थी। जनगणना रजिस्ट्रार जनरल ने देश भर में नई प्रशासनिक यूनिट बनाने पर लगी रोक को 31 दिसंबर तक हटाने का फैसला किया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अब अपने खिड़की दरवाजे बंद कर लें

दवाली अब दीयों का त्यौहार कहां रह गया जी! रोशनी के लिए वह लड़ियों का त्यौहार हो गया और खुशी के इजहार के लिए वह पटाखों के शोर का त्यौहार हो गया। लेकिन पता नहीं जी, इस बार चीनी लड़ियों के बहिष्कार का आह्वान क्यों नहीं हुआ। लोग तो कह रहे हैं पटाखे भी चाइनीज ही आ रहे हैं। वैसे तो लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां भी चाइनीज ही आ रही हैं।

सभी ने दिवाली तो मना ही ली होगी, आशा करते हैं सभी की दिवाली बेहतर ही मनी होगी। तो अगर हम मिठाइयों की बात करें तो अब महंगाई का जिक्र न हो ऐसा भला कहां हो सकता है। और फिर महंगाई की आंच सिर्फ मिठाइयों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि ये सब्जी मंडी में मिलने वाले सब्जियों से लेकर दालें सभी शतक पार कर रही हैं। लेकिन इन सब के बीच अच्छी बात यह है कि वे हमारी क्रिकेट टीम को शर्मिंदा करने के लिए धड़ाधड़ शतक नहीं बना रही हैं। फिर क्या वे आपकी औकात दिखाने के लिए शतक बना रही हैं। नहीं, ऐसी तो कल्पना भी नहीं करनी चाहिए। अब जब इतना कुछ हो ही रहा है तो महंगाई की बात क्या ही करना। और गर जो की भी गई तो ऐसी बातें सरकार को रास कहां ही आएंगी।

महंगाई की बात पहले सरकार को रास नहीं आती थी, अब आपको नहीं आती। सरकार और जनता का यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व ही इस दौर का कुल जमा हासिल है। खैर, सारी मनाही के बावजूद पटाखे भी फोड़ो ही होंगे और अपनी इस जिद में ही फोड़े होंगे कि हमारे त्यौहार पर हमें मना करने वाला कौन होता है। हम क्या अपना त्यौहार भी न मनाएं। दूसरों को तो कोई नहीं रोकता। बस सबका जोर हमीं पर चलता है। लेकिन हम किसी से क्यों दबें। इसलिए चलो पटाखे फोड़ें। सो आइए, अब अपने खिड़की-दरवाजे बंद कर लें और जरा सांस लें और थोड़ा खांस लें। दिवाली अब दीयों का त्यौहार कहां रह गया जी! रोशनी के लिए वह लड़ियों का त्यौहार हो गया और खुशी के इजहार के लिए वह पटाखों के शोर का त्यौहार हो गया। लेकिन पता नहीं जी, इस बार चीनी लड़ियों के बहिष्कार का आह्वान क्यों नहीं हुआ। लोग तो कह रहे हैं पटाखे भी चाइनीज ही आ रहे हैं। वैसे तो लक्ष्मी गणेश की मूर्तियां भी चाइनीज ही आ रही हैं। कहीं हमारे बहिष्कार वीर थक तो नहीं लिए। अगर ऐसा हुआ तो यह अच्छा नहीं हुआ। पर जी, बात यह है कि बहिष्कार भी करें तो आखिर चीन के किस-किस माल का करें। यहां तो मोबाइल से लेकर चौराहों पर बिकने वाला तिरंगा तक चीन से आ रहा है। लेकिन प्रदूषण के लिए इस बार किसानों को भी कम ही दोषी ठहराया जा रहा है। वरना पटाखों के शोर से पहले तो पराली जलाने का हाहाकार मच चुका होता था। शोर तो बेशक इस बार भी है, पर हाहाकार नहीं है। लेकिन कितने कमाल की बात है प्रदूषण को लेकर सरकारें भी कितनी दो राय रखती हैं। तभी तो पंजाब के किसानों को तो इसके लिए फिर भी दोषी ठहराया जा रहा है, लेकिन हरियाणा वालों को बख्श दिया गया है। लेकिन सब में गौर करने वाली बात ये है कि चुनावी नतीजों की वजह से भी इसका असर पड़ता है। जो की अभी पंजाब और हरियाणा में नजर आ रहा है। लेकिन बेहतर बात ये रही कि इस बार की दिवाली भी सबकी बेहतर मनी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

डमी स्कूलों से शिक्षा की गुणवत्ता का क्षय

अविजीत पाठक

मेरे पड़ोसी ने एक बार मुझसे बताया 'मेरा बच्चा स्कूल जाने में अपना वक्त और ऊर्जा बर्बाद नहीं करता। इसके बजाय, मैं उसे एक कोचिंग सेंटर में भेजता हूं, जो उसे वह तैयारी करवाते हैं जिसका महत्व है- मेरा मतलब है जेईई और नीट जैसी परीक्षाएं पास करने का 'कौशल' हासिल करना। और इस वास्ते उसके स्कूल के साथ एक व्यवस्था कर रखी है। भले ही वह पूरे साल अनुपस्थित रहे, फिर भी वह बोर्ड परीक्षाओं में बैठ सकता है। स्कूल इसका इंतजाम करता है।' उनके साथ मेरे संवाद के दौरान, मुझे उनके तर्क की तीव्रता का अहसास हुआ- उनका मानना है कि जीवन में केवल 'सफलता' ही मायने रखती है, और शिक्षा का कोई उच्च या महान लक्ष्य नहीं है।

वह अकेले नहीं हैं, असल में, मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश पाने के लिए मानकीकृत बना दिए गए इम्तिहान उत्तीर्ण करने के तर्क को हमारी चेतना पर हावी होने और 'व्यावहारिक' शिक्षा को हमारी धारणा को आकार देने में व्यापक इजाजत मिली हुई है। इसलिए जिसको हम सामान्य समझने लगे हैं- 'डमी स्कूलों' का अस्तित्व और लगभग हर इलाके में कोचिंग सेंटरों का एक साथ महिमामंडन - उसका जन्म होता चला गया। केवल इतना ही नहीं। ऐसा करके हम अपने बच्चों को शुरू से ही भ्रष्टाचार को आत्मसात करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भी पता है कि अगर स्कूलों और कोचिंग सेंटरों के बीच उचित 'सेटिंग' या किसी तरह का 'घालमेल' है, तो वे एक भी कक्षा में उपस्थित हुए बगैर भी बोर्ड परीक्षा में बैठ सकते हैं। बेशक, सीबीएसई और राज्य बोर्ड भी इस कुप्रथा से अवगत हैं, और कभी-कभार, इन डमी स्कूलों के खिलाफ नाममात्र के कुछ छापे या दंडात्मक उपायों के बारे में सुनते हैं। लेकिन फिर, इस भ्रष्टाचार का मुकाबला तब तक नहीं किया जा सकता जब तक कि हम निम्नलिखित के बारे में कुछ गहन और ठोस कदम न उठाएं सबसे पहले, हमारे लिए -यानी वयस्क और माता-पिता- खुद को शिक्षित करना और शिक्षा को लेकर और अपने बच्चों के लिए 'सफलता' के अर्थ के बारे में अपनी समझ को विस्तृत बनाना महत्वपूर्ण है।

बेशक, यह अच्छा है अगर हमारे बच्चे भौतिकी, रसायन विज्ञान, गणित और जीव विज्ञान सीखें, इसमें कोई बुराई नहीं है अगर वे इन विषयों की पहेलियों को हल करना सीखते हैं- जल्दी, फुर्ती और चतुराई से। लेकिन फिर, यह 'कौशल' केवल उस चीज का अंश मात्र

है जिसे सभी महान शिक्षक वास्तव में सार्थक, समग्र और जिंदगी बनाने वाली शिक्षा मानते हैं। गहन स्तर पर, शिक्षा का मतलब है सीखना, देखना और जिस दुनिया में हम विचरते हैं, उसे समझने की तमाम प्रमुख क्षमताओं का विकास करना- जैसे कि, आलोचनात्मक सोच को तेज करने के लिए बौद्धिक अनुभूति और तर्क करने की शक्ति, मानवीय भावनाओं और संवेदनाओं की गहरी समझ बनाने के लिए कलात्मक और सौंदर्य बोध संबंधी संवेदनशीलता का विकास, मिल-जुलकर काम करने की भावना और भाईचारा, सहयोग और एकजुटता का महत्व समझना, और सबसे बढ़कर, बृहद पारिस्थितिकीय तंत्र से जुड़ाव की कला। लेकिन फिर, जब हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बाकी सब भूल जाएं, पूरी तरह से एकल-आयामी बन जाएं, केवल मानकीकृत परीक्षणों को पास करने वाली रणनीतिक तकनीकों को अपनाएं, तो ऐसा करके हम उनके शारीरिक, मानसिक और नैतिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। वे एक खुदगर्ज/अहंकारी प्रतिस्पर्धी बनकर रह जाते हैं, और वह खो देते हैं जो संवेदनशील और संवादकारी प्राणी के रूप में विकसित होने के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण है- अच्छे शिक्षकों की संगति जो उत्प्रेरक के रूप में कार्य करते हैं, संगी-साथियों के साथ मिलकर काम करने का अनुभव और पुस्तकें और शिल्पकला, रंगमंच और फुटबॉल का आनंद, सिद्धांत और व्यवहार के माध्यम से दुनिया को जानना। खैर, मेरा 'व्यावहारिक' पड़ोसी कह सकता है कि अगर उसका बेटा किसी आईआईटी में एक आकर्षक 'पैकेज' मिल जाए तो अंत में सब कुछ 'सही'। लेकिन फिर, यह 'सफलता' किस काम की, यदि वह अंदर से जख्मी, टूटा हुआ और अलग-थलग रहे? इसका मतलब यह नहीं है कि हमारे स्कूल अनिवार्य रूप से वह समग्र शिक्षा और शुचितापूर्ण ज्ञान देने में सक्षम हैं, जिसकी मैं बात कर रहा हूं।

वास्तव में, कुछ उल्लेखनीय अपवादों को छोड़कर, हमारे स्कूल हमारे बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक रूप से सूक्ष्म और गहरी आलोचनात्मक शिक्षा का आनंद उठाने के लिए प्रेरित करने में विफल रहते हैं। इसके बजाय, आधिकारिक पाठ्यक्रम का बोझ, समयसारिणी का अत्याचार, भीड़भाड़ वाली कक्षा में शिक्षक का एकालाप, विज्ञान विषय के मुकाबले मानव विज्ञान को दोयम मानना, साप्ताहिक और वार्षिक परीक्षाओं का जंजाल, और सबसे बढ़कर, 'टॉपर्स' बनाना एकमात्र लक्ष्य- ब्रांडेड कोचिंग सेंटर वह प्रदान करने के लिए डिजाइन किए गए हैं जिसका सही मायने में ठोस विकल्प बनने में हमारे विद्यालय विफल रहे हैं।

काश! हम पराली को लाभकारी बना पाते

ऋतुपर्ण दवे

उत्तर भारत के कई इलाकों में ठंड की दस्तक, धान की कटाई और दिवाली के दौरान होने वाले प्रदूषण के लिए अकेला भारत जिम्मेदार नहीं है। पाकिस्तान में जलती पराली से आने वाला धुआं भी कई राज्यों की फिजा को जहरीली बनाने में कम कसूरवार नहीं है। नासा वर्ल्डव्यू एनिमेशन, सेटेलाइट तस्वीरों, चंडीगढ़ पीजीआई और पंजाब यूनिवर्सिटी के एक शोध से यह साफ हो गया है कि भारतीय पंजाब के मुकाबले पाकिस्तानी पंजाब में पराली ज्यादा जलाई जाती है। वहीं, कुछ आंकड़े भी इस बात को पुख्ता करते हैं कि हरियाणा में 24 प्रतिशत और पंजाब में 40 प्रतिशत कम पराली इस 1 सितंबर से अक्टूबर के तीसरे हफ्ते तक जली। यह भी सही है कि धान कटाई का यह पीक सीजन नहीं था। दिवाली के थोड़े पहले और अब दिवाली बाद अलग नजारा दिखने लगा है।

इधर, सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में एक बार फिर, दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण पर केंद्र सरकार को ढिलाई पर कड़ी फटकार लगाई और पंजाब और हरियाणा सरकारों को भी चेताया। इस बाबत सख्त कानून न लागू करने पर चिंता भी जताई। सफाई, बचाव, तर्क-कुतर्क पर अभी और पहले भी सुप्रीम कोर्ट कई बार जमकर नाराजगी दिखा चुका है। नियंत्रण खातिर जिम्मेदार संस्थाएं कब कटघरे में नहीं थीं? सुप्रीम कोर्ट की पीड़ा इसी से समझ आती है कि पर्यावरण संरक्षण अधिनियम को दंतहीन तक कह दिया। कोर्ट में प्रस्तुत जवाब पर सवाल खड़े होने पर गंभीरता जताते हुए बात अवमानना की चेतावनी तक पहुंचना कम नहीं है। सच है कि पराली का जलना, प्रदूषण का बढ़ना आरोप-प्रत्यारोप और राजनीतिक विषय बन चुका है। तमाम बयानबाजियां यही दिखाती हैं। कैसी कोशिशें हैं कि हर साल न धुआं थमता है और न ही पराली का जलना। सरहद पार के धुएं की बात छोड़ दें और देश में जल रही पराली ही देखें तो समझ आता है कि कोशिशों के दौड़ते कागजों के अलावा धरातल पर कुछ नहीं दिखता।

केवल किसानों को ही दोष देना नाकाफी है। उनकी पीड़ा भी समझनी होगी। केंद्र या राज्य सरकारें दावा कुछ भी करें, लेकिन किसानों की भी व्यावहारिक समस्याएं हैं। संसाधनों की कमी का सामना छोटे किसान ही करते हैं, जो छोटे-छोटे भू-भाग के बावजूद विशाल रकबे में फैले हैं। न तो उनके पास इतनी जमीन है कि ऋण लेकर मशीनें खरीदें और न ही सामर्थ्य। ऐसे में पराली निदान के लिए महंगी मशीनों में निवेश या कर्ज लेकर चुकाने की हैसियत भी आड़े आती है। खेती मौसम पर निर्भर है। महज एक-दो दिन बिगड़ा मौसम महीनों की मेहनत पर पानी फेर देता है। इसी चलते भी किसान तुरंत पराली जलाने को मजबूरी बताते हैं। छोटे-बड़े सभी किसानों को अगली फसल की बुवाई की ताबड़तोड़ तैयारी और मौसम का डर सताता है। किसान मानते हैं कि दूसरी फसल के लिए बहुत कम वक्त मिलता है। ऐसे में छोटे किसानों के सामने सरकारी मदद की खानापूर्ति और तमाम बाधा, असमंजस के चलते भी नुकसान जानकर भी पराली जलाने का अपराध करना मजबूरी बन जाता है।

अब रोजाना दिल्ली और सटे राज्यों में हवा की फिजा बदलेगी। खुलकर सांस लेना और मुश्किल होगा। हवा की बिगड़ती गुणवत्ता इस साल के नए रिकॉर्ड छुएगी। प्रदूषण अभी इतनी बदतर स्थिति में जा पहुंचा है कि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ ने मॉर्निंग वॉक पर जाना बंद कर दिया। ऐसे में आमजन की सुध पर सरकारी तंत्र की कोशिशों पर ही सबका ध्यान जाएगा। अदालत भी मानती है कि केंद्र और राज्यों को याद दिलाने का यही वक्त है कि भारतीय संविधान के भाग-3 में मौजूद अनुच्छेद 21 के तहत लोगों को प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने का मौलिक अधिकार है। दिल्ली का वायु प्रदूषण दशकों पुराना मुद्दा है। वर्ष 1985 में ही इसके खिलाफ आवाज उठी थी, जब कीर्ति नगर जैसे घने रिहायशी इलाके में एक फर्टिलाइजर प्लांट की जहरीली हवा लोगों को बीमार करने लगी। तब एक वकील एम.सी. मेहता ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई। ट्रायल के दौरान ही प्लांट से ओलियम गैस रिसी और तीस हजारी कोर्ट के एक वकील की जान चली गई।

कइयों की हालत बिगड़ी थी। इसके बाद कई कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। आबादी वाले क्षेत्र में क्लोरीन, सुपर क्लोरीन, ओलियम, फॉस्फेट जैसे जहरीले उत्पाद बनाने पर रोक लगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने भी प्रदूषण मुक्त वातावरण में रहने को मौलिक अधिकार बनाया। अब तक कागजों पर योजना बनाने, बैठकें करने और अंत में आरोप-प्रत्यारोप के खेल से ज्यादा क्या हासिल हुआ? न पराली के दूसरे उपयोग किसानों को समझा पाए और न क्लाउड सीडिंग से कृत्रिम बारिश कराकर प्रदूषण से फौरी राहत पर वो कर सके जो कुछ देशों ने कर दिखाया। सिवाय आपसी दांव-पेच के, न पराली संग्रहण कर उपयोगी उत्पादों में भूमिका बनी, न ही जलाने से रोकने के प्रभावी कानून बनाकर आर्थिक लाभ की तरफ रुख कर पाए। मुद्दा गंभीर जरूर है, लेकिन निदान असंभव भी नहीं। काश! पराली से राख के बजाय रुपये कमाने की पहल होती।

बिना स्टीमर के घर पर बनाएं बाजार जैसे स्वादिष्ट मोमोज

मोमोज एक ऐसी डिश है, जिसका नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आने लगता है। आजकल तो आपको हर गली-मोहल्ले में मोमोज की दुकान मिल जाएगी, जहां लोगों की भीड़ लगी रहती है। वैसे तो हर मौसम में हर कोई मोमोज को बड़े ही चाव से खाता है, मगर कई लोग इसे घर से बाहर खाने से बचते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि बाहर के मोमोज बहुत ही अनहेल्दी होते हैं। ऐसे में अगर आप भी बाजार में बनने वाले मोमोज नहीं खाना चाहते तो आप बिना स्टीमर के ही मोमोज घर पर बना सकते हैं। घर पर बने मोमोज आपके स्वास्थ्य को नुकसान नहीं पहुंचाएंगे, और ये फ्रेश बने होंगे। ऐसे में आप मन भर पर मोमोज का लुत्फ उठा सकेंगे।

विधि

अगर आप बाजार जैसे मोमोज घर पर बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले पहले की तरह मैदा गूंथ लें और इसे साइड में रखें। मैदा गूंथने के बाद अब स्टफिंग बनाने की तैयारी शुरू करें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर हल्का भूनें। कटी हुई सब्जियां डालें और मध्यम आंच पर 5-7 मिनट तक भूनें। आखिर में इसमें स्वादानुसार नमक डालें। ध्यान रखें कि स्टफिंग की सब्जियों को बारीक काटें। अब सोया सॉस और काली मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। स्टफिंग तैयार है। स्टफिंग तैयार करने के बाद मैदे की छोटी लोइयां बनाएं और उन्हें पतला बेलें। छोटी-छोटी रोटी बनाकर स्टफिंग भरकर मोमोज को आकार दें। मोमोज बनाने के बाद इसे साइड में रख दें। इसके बाद एक गहरी कढ़ाई में थोड़ा पानी डालें और उसे उबालें। पानी में एक स्टैंड या प्लेट को ऐसे रखें, ताकि मोमोज पानी को न छुएं। प्लेट पर तेल लगाएं और मोमोज रखें। कढ़ाई को ढक्कन से अच्छी तरह ढक दें। मोमोज को 10-15 मिनट तक मीडियम आंच पर पकने दें, जब तक वे पारदर्शी न दिखने लगें। तैयार मोमोज को निकालें और चटनी के साथ परोसें।

सामान

2 कप मैदा, 1/2 चम्मच नमक, 1 कप पानी (आवश्यकतानुसार), 200 ग्राम कटी हुई सब्जियां (पत्तागोभी, गाजर, प्याज), 1/2 चम्मच काली मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 चम्मच सोया सॉस, 1 चम्मच तेल।

बच्चों को खुश करने के लिए खिलाएं दही सैंडविच

एक समय था जब बच्चे घर का बना भोजन करना पसंद करते थे, लेकिन आज समय बदल गया है। आज के बच्चे बाजार में मिलने पकवानों को खाना ज्यादा पसंद करते हैं। जब उन्हें घर का बना कुछ खाने को दिया जाए तो उनके काफी नखरे होते हैं। ऐसे में हर मां के सामने ये दिक्कत रहती है कि वो अपने बच्चे को ऐसा क्या खिलाएं, जिसे वो मन से खाए और उसका पेट भी भर जाए। खासतौर पर परेशानी सुबह का नाश्ता बनाने में आती है। अगर आप भी इसी बात से परेशान रहती हैं तो ये लेख आपके लिए है। ऐसे में हम आपको आसान तरीके से दही सैंडविच बनाना सिखाएंगे, ताकि आप अपने बच्चे को स्वादिष्ट नाश्ता खिला सकें। दही सैंडविच एक ऐसा नाश्ता है, जिसे आप कुछ ही देर में तैयार कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे टिफिन में पैक भी करके भेज सकती हैं।

सामान

1 कप दही, ब्रेड, मक्खन, नमक, काली मिर्च पाउडर, चाट मसाला, 1 कटा हुआ प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, कटी हुई हरी धनिया।

विधि

दही सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में दही निकालें। अब इसे पूरी तरह से फेंट लें। फेंटने के बाद इसमें कटा हुआ प्याज, टमाटर और शिमला मिर्च डालें। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद इसमें नमक, काली मिर्च पाउडर और हल्का सा चाट मसाला डालें। एक बार फिर इसे चमचे की मदद से सही से मिक्स करें। आखिर में इसमें कटी हुई धनिया पत्ती डालें। अब एक ब्रेड स्लाइस लेकर उसपर इस मिश्रण को लगाएं। सही से मिश्रण लगाने के बाद दूसरा ब्रेड इसके ऊपर रख दें। इसके बाद तवे को गर्म करके उस पर मक्खन लगाएं और फिर सैंडविच को सुनहरा होने तक सेकें। ये सैंडविच आप अपने बच्चे को जूस के साथ परोस सकती हैं। आप चाहें तो सैंडविच बनाने के लिए ब्राउन ब्रेड का इस्तेमाल कर सकती हैं।

हंसना मना है

टीचर- बताओ...सबसे चतुर प्राणी कौन सा है? गोलू- हिरण.. टीचर- कैसे? गोलू- सतयुग में प्रभु राम को फंसाया था और कलयुग में सलमान को...

पति- आज मैं बहुत टेंशन में हूं मूड खराब है और सिर भी दुख रहा है, पत्नी- अच्छा...! खैर, ये सब छोड़ो, देखो मेरा नया पर्स।

टीचर- भोलू तुम परिंदों के बारे में सब जानते हो? भोलू- जी हां...टीचर-जरा बताओ कौन-सा परिंदा उड़ नहीं सकता? भोलू - टीचर, वो मरा हुआ परिंदा!

एक दर्जी बस में चढ़ा। उसके पास फोन आया। उसने फोन उठाया और बोला... तू हाथ काटकर रख, गला मैं आकर काटूंगा। इतना सुनकर पूरी बस खाली हो गई।

लोगों की बातें कभी दिल पर नहीं लेनी चाहिए। लोग तो अमरूद खरीदते समय पूछते हैं...मीठे हैं ना? फिर बाद में नमक लगाकर खाते हैं।

कहानी — उम्र बढ़ाने वाला पेड़

एक बार तुर्किस्तान के बादशाह को अकबर की बुद्धिमत्ता की परीक्षा लेने की सूझी। बादशाह ने अपने दूत को संदेश पत्र देकर दिल्ली रवाना किया। बादशाह ने पत्र में लिखा था 'मुझे सुनने में आया है कि भारत में ऐसा पेड़ है, जिसके पत्ते को खाकर इंसान की आयु बढ़ाने में मदद मिल सकती है। अगर यह बात सच है, तो मेरे लिए उस पेड़ के कुछ पत्ते जरूर भेंजे।'अकबर पत्र पढ़कर सोच में पड़ गए। फिर बीरबल की सलाह पर अकबर ने दूत को कैद करने का आदेश दिया। फिर दूत से कई दिन बाद अकबर और बीरबल मिलने गए। अकबर ने दूत से कहा 'जब तक इस किले की एक-दो ईंट गिर नहीं जाती, तब तक आप लोगों को आजाद नहीं करेंगे। इतना कहकर बादशाह और बीरबल वहां से चले गए। उनके जाने के बाद दूत कैद से निकलने के लिए उपाय सोचने लगे। फिर वे भगवान से प्रार्थना करने लगे। कुछ दिनों बाद अचानक तेज भूकंप आया और भूकंप के कारण किले का एक भाग टूटकर गिर गया। यह खबर सुनते ही अकबर को अपना वादा याद आया और उन्होंने दूत को दरबार में प्रस्तुत होने का आदेश दिया। अकबर बोले 'अब तो आप सबको अपने बादशाह के द्वारा भेजे गए पत्र का उत्तर मिल गया होगा। तुम सिर्फ 100 लोग हो और तुम्हारी आह सुनकर किले का एक हिस्सा गिर गया, तो सोचो जिस देश में हजारों लोगों पर अत्याचार होते हैं, उस देश के बादशाह की आयु कैसे बढ़ेगी। लोगों की आह से उसका पतन तो निश्चित है। हमारे भारत देश में किसी गरीब पर अत्याचार नहीं होता। यही होता है आयुवर्धक वृक्ष।' उसके कुछ दिन बाद बादशाह ने दूत को उनके देश भेज दिया। दूत ने तुर्किस्तान पहुंचकर भारत में घटित सारी बात विस्तार से बादशाह को बताई अकबर-बीरबल की बुद्धिमत्ता देखकर तुर्किस्तान के बादशाह ने दरबार में उनकी बहुत प्रशंसा की।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। लाभ के मौके बार-बार प्राप्त होंगे। विवेक का प्रयोग करें। बेकार बातों में समय नष्ट न करें। निवेश शुभ रहेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

वृषभ

कोई बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। किसी विशेष क्षेत्र में सामाजिक कार्य करने की इच्छा रहेगी।

मिथुन
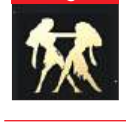
व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कर्क

जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

सिंह

व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा। सभी काम पूर्ण होंगे।

कन्या

संचित कोष में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। झंझटों से दूर रहें।

तुला

विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। व्यापार मनोनुकूल रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें। यात्रा लाभदायक रहेगी।

वृश्चिक

प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में कमी रह सकती है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु

कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। प्रमाद न करें।

मकर

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में मनोनुकूल लाभ होगा। प्रमाद न करें।

कुम्भ

घर-बाहर सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। बेरोजगारी दूर होगी। अचानक कहीं से लाभ के आसार नजर आ सकते हैं। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है।

मीन

आज किसी से भी मजाक न करें, वर्ना मामला गड़बड़ हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। अकारण क्रोध होगा। फालतू खर्च होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

बॉलीवुड | चर्चा

एक साथ नजर आएंगे सलमान खान और अजय देवगन

निर्माता निर्देशक रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स की फिल्मों के कारण चर्चा में रहते हैं। रोहित शेट्टी ने दिवाली पर अपनी फिल्म सिंघम अगेन के साथ बॉक्स ऑफिस और दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। रोहित शेट्टी अब अपनी अगली फिल्म की तैयारी में जुट गए हैं। खबरों की मानें तो रोहित शेट्टी अभिनेता सलमान खान और अजय देवगन एक साथ एक और नई और बड़ी एक्शन फिल्म के लिए काम कर रहे हैं। सलमान खान और अजय देवगन की साथ में एक्शन फिल्म में काम करने वाले हैं। इससे प्रशंसक काफी खुश और उत्साहित हैं। सलमान खान ने हाल ही में अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन में कैमियो किया है। दोनों ही अभिनेताओं के देश में बहुत बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं। आज बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन को प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। इसमें सलमान खान ने दबंग सीरीज से चुलबुल पांडे की अपनी लोकप्रिय भूमिका में कैमियो किया है। प्रशंसक उनकी भूमिका को देखकर खुशी से झूम उठे और ट्विटर पर अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। साल 2010 में अभिनेता सलमान खान अपनी फिल्म दबंग में चुलबुल पांडे का किरदार निभाया था, फिल्म को प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया है। साथ ही अजय देवगन के साथ रोहित शेट्टी ने पहली कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम के साथ शुरुआत की थी। इन सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया था। रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स फिल्म सिंघम अगेन में कई सारे बॉलीवुड सितारे नजर आए। इस फिल्म में अभिनेता अजय देवगन के साथ दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, करीना कपूर, सलमान खान, टाइगर श्रॉफ, अक्षय कुमार, अर्जुन कपूर जैसे सितारे नजर आए।

मैं भाग्यशाली हूं जो मुझे ऐश्वर्या राय जैसा साथी मिला : अभिषेक

बॉलीवुड | मसाला

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। अपने शानदार लुक, पहनावे और स्टाइल में बच्चन परिवार हमेशा ही आगे रहा है। एक बार अभिषेक बच्चन ने कहा था कि ऐश्वर्या जैसी पत्नी पाकर वह खुद को भाग्यशाली समझते हैं। अभिषेक ने कहा था, अब समय आ गया है कि हम महिलाओं को पुरुषों की तुलना में बेहतर रूप में स्वीकार करें। वे चीजों को सही से देखती हैं और मेरी पत्नी इस मामले में असाधारण हैं। अभिषेक ने ऐश्वर्या की पत्नी के रूप में प्रशंसा की और उनके कठिन समय में भी उनके साथ खड़े रहने के लिए उनकी प्रशंसा की। अभिषेक ने कहा, ऐश्वर्या जैसी जीवन साथी होने की सबसे अच्छी बात यह है कि वह बिजनेस से जुड़ी हुई है। वह इसे समझती है। वह मुझसे थोड़े समय से यह काम कर रही है। इसलिए, वह दुनिया को जानती है। वह सब कुछ झेल चुकी है। इसलिए, जब आप घर आते हैं और अगर आपका दिन चुनौतीपूर्ण रहा है, तो यह अच्छा लगता है कि कोई है जो इसे समझता है। अगर उस समय आप बस अकेले रहना चाहते हैं और किसी चीज से खुद निपटना चाहते हैं, तो वह इसे समझती है। फिर कई बार वह समझती है कि उसे मेरे समर्थन की जरूरत है और वह मेरी मदद करती हैं। इस तरह से यह एक बहुत ही तालमेल वाला रिश्ता है। अभिषेक ने कहा, ऐश्वर्या राय बच्चन एक ऐसी शख्सियत हैं, जो मेरे जीवन के सबसे कठिन समय में हमेशा मेरे साथ रहीं। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके जैसा साथी मिला जो मेरे लिए चीजों को सीधा करता है। बता दें कि फिल्म इंडस्ट्री में आने के कई साल बाद फिल्म गुरु के दौरान दोनों नजदीक आए और दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। बाद में, उन्होंने 2007 में एक-दूसरे से शादी कर ली। यह जोड़ा अब अपनी बेटी आराध्या बच्चन का माता-पिता है।

नोरा फतेही ने दिलबर शूट के लिए छोटे कपड़े पहनने से किया इनकार

बोलीं- मैं इसे नहीं पहन सकती

नोरा फतेही ने 2018 में सत्यमेव जयते के लिए दिलबर गाने से काफी प्रसिद्धी हासिल की थी। लेकिन इस गाने के दौरान कुछ ऐसा हुआ था, जिसे सुनकर कोई भी दंग रह जाएगा। जब सत्यमेव जयते के मशहूर गाने दिलबर के लिए नोरा फतेही को करना पड़ा था ऐसा काम जिसे करने से साफ इनकार कर दिया था। भले ही नोरा को इस गाने को करने के लिए कोई फीस नहीं मिली हो, लेकिन इस गाने से नोरा को काफी बड़ी सफलता हासिल हुई थी। दिलबर गाने को यूट्यूब पर करोड़ों की संख्या से अधिक बार देखा गया, लेकिन उस समय, नोरा पैसा कमाने से ज्यादा खुद को साबित करने पर फोकस थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू में नोरा ने खुलासा किया कि वह भारत छोड़ने की कगार पर थीं, जब उन्हें स्त्री के गाने कमरिया के साथ दिलबर की पेशकश की गई थी। हालांकि उस दौरान नोरा फतेही को पैसों की सख्त जरूरत थी और उनके खाते में किराया या खाने के लिए भी कुछ नहीं था। नोरा ने कहा, जब मैं इन दो गानों के निर्माताओं से मिली... जिसके लिए मुझे कभी पैसे नहीं मिले, जो मैंने मुफ्त में किया क्योंकि मैंने कहा कि यह मेरे लिए पैसे कमाने का समय नहीं है, अभी मेरे लिए खुद को साबित करने और नाम बनाने और शानदार लोगों के साथ काम करने का समय है। नोरा ने बताया कि दिलबर के लिए उन्हें जो टॉप दिया गया था, वह बहुत छोटा था और उन्होंने एक नया टॉप मांगा। उन्होंने कहा, जब वे मेरे लिए टॉप लाए, तो वह बहुत छोटा था और मुझे अपना पैर नीचे रखना पड़ा। मैंने कहा, दोस्तों, मैं इसे नहीं पहन सकती। मैं समझती हूं, यह एक शानदार गाना है, हम सभी स्वाभाविक रूप से स्टाइलिश हैं। सुबह, जब हम गाने की शूटिंग करने वाले थे, तो उन्हें एक नया टॉप बनाना पड़ा। नोरा ने कहा, उन्हें मेरे लिए आरामदायक टॉप फिर से बनाना पड़ा। कुछ लोगों को शायद यह अब भी बहुत रिवीलिंग लगता है, लेकिन मेरे लिए, यह वही था जिसमें मैं सहज थी। अपने संघर्षों के बारे में बताते हुए नोरा ने कहा कि उनके पास खाने के लिए पैसे नहीं थे और उनका वजन बहुत तेजी से कम हुआ। उन्होंने कहा, मैं एक ऐसे दौर से गुजरी, जब मैं बहुत पतली हो गई थी, क्योंकि मेरे पास खाने के लिए पैसे नहीं थे।

पड़ोस की लड़की का अजीब कारनामा 800 रु. में लिखवा लिया 3 करोड़ का बंगला

आपने फर्जीवाड़े की तमाम कहानियां सुनी होंगी, लेकिन यह कहानी आपको हैरान कर देगी। 35 साल की एक लड़की जो पड़ोस में रहती थी, मददगार बनकर आई और महज 10 डॉलर यानी 800 रुपये में 3 करोड़ का बंगला अपने नाम कर लिया। मकान की मालकिन बन बैठी। अब दावा कर रही कि सबकुछ पुराने मकान मालिक की मर्जी से हुआ। हाल ही में, 35 साल की ऑरेलिया सूगिया को न्यूयॉर्क पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसे जब अदालत में पेश किया गया तो कोई और ही कहानी बताने लगी और खुद के दोषी न होने की दलील तक दी। सूगिया ने बताया कि वह 78 वर्षीय रोजमेरी मीका के घर आया जाया करती थी। क्योंकि मीका ही उसे मदद के लिए बुलाती थी। जब उनकी उम्र ज्यादा हो गई तो उन्होंने खुद यह घर मेरे नाम कर दिया। सूगिया ने यहां तक दावा किया कि उसके पास दोनों के बीच बातचीत की रिकॉर्डिंग भी मौजूद है। उस समय का टिकट भी है जब मीका को लेकर वह रजिस्ट्रार कार्यालय गई हुई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मीका ने सूगिया को झूठा बताते हुए कहा, मैंने कभी घर देने की बात नहीं कही। यह सही है कि वह मेरी देखभाल करती थी। समय-समय पर घर आ जाया करती थी ताकि मदद कर सके, लेकिन घर मैनें नहीं लिखा। सूगिया का यह दावा भी बिल्कुल गलत है कि डीड पर हस्ताक्षर वाले दिन वह रजिस्ट्री कार्यालय गई थी। मैंने स्वेच्छा से अपनी संपत्ति नहीं सौंपी है। सारे दस्तावेज और ऑडियो रिकॉर्ड गढ़े हुए हैं। यह कोई पहला मामला नहीं है। पूरे अमेरिका में इस तरह की घटनाएं इन दिनों खूब हो रही हैं। मई 2022 में, जॉर्जिया के एक व्यक्ति पर पूरे उत्तरी कैरोलिना में छह संपत्तियों को हथिया लिया था। जॉर्जिया के यशायाह रॉबर्ट लुईस बासकिंस जूनियर पर दिसंबर 2018 और सितंबर 2019 के बीच छह लोगों के नाम और पते और किसी अन्य व्यक्ति के सामाजिक सुरक्षा कार्ड का उपयोग करके जमीन हथियाने का आरोप लगा था।

अजब-गजब | 2 साल के बच्चे को कीड़ा खिला रही मां, कहा-

खूब मिलता है प्रोटीन, नहीं होगी खून की कमी

बच्चे को क्या खिलाएं-क्या नहीं खिलाएं, यही सोच-सोच कर माताएं हमेशा परेशान रहती हैं। क्योंकि यह उम्र उसके शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। ऐसे में उन्हें जितना पोषणयुक्त खाना मिले, उतना अच्छा। जितना प्रोटीन दे सकें, फैट दे सकें, उतना बेहतर। लेकिन एक मां ने प्रोटीन की कमी को पूरा करने के लिए अजीबोगरीब तरीका अपनाया। वह अपने 2 साल के बच्चे को कीड़ा खिला रही है। दावा है कि इसमें खूब प्रोटीन होता है और अन्य सप्लीमेंट की कमी को भी पूरा करता है। कनाडा के टोरंटो शहर में रहने वाली वीनस कलामी खुद भी फूड ब्लॉगर हैं। उन्होंने कहा, मैनें अब तक जिन देशों की यात्रा की है वहां कुछ न कुछ नया ट्राई करने की कोशिश की है। तली हुई टारेंटयुला टांगों से लेकर बिच्छू तक सब कुछ चखा है। मैंने थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों की यात्रा के दौरान झींगुर और चींटियों का भी आनंद लिया है। मुझे यह काफी पसंद आया था। मैं चाहता हूं कि यह हमारे रूटीन के भोजन में भी शामिल होना चाहिए। कुछ दिनों पहले मैं जब वापस आया तो अपने 2 साल के बच्चे को भी यह खिलाने का फैसला किया। केवल 2 बड़ा चम्मच झींगुर पाउडर एक बच्चे की दैनिक प्रोटीन की जरूरत का 100 प्रतिशत प्रदान करता है। इससे आयरन की कमी पूरी होती है और बच्चे को कभी एनीमिया भी नहीं होगा। पाचन तंत्र भी बेहतर होगा। इनसाइडर की

खबर के मुताबिक, कलामी ने कहा-आप सोच रहे होंगे कि यह जिद्दीपने की बात है, लेकिन हकीकत ये है कि मैं अपने फूड बिल में कटौती करना चाहता था। महंगाई इतनी ज्यादा है कि हर हफ्ते खाने पर अब 300 डॉलर तक ज्यादा खर्च हो रहा है। हम अक्सर मांस नहीं खरीद पाते। इसकी वजह से बच्चे को सही प्रोटीन नहीं मिल पा रहा था। उसके बाद मेरे दिमाग में आइडिया आया। मैनें उसे झींगुर का पफ स्नैक्स, झींगुर से बना प्रोटीन पाउडर और भूने हुए झींगुर खिलाने का फैसला किया। इससे हमारे वीकली फूड बिल में 300 डॉलर तक की कमी आ गई। बाल रोग विशेषज्ञ कलामी ने कहा, बच्चों को क्या खाना है, क्या नहीं खाना है। उनकी च्वाइस इसी उम्र में तय हो जाती है। अगर वे सबकुछ खाना शुरू कर देंगे तो बाद में उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। वे किसी भी माहौल में रह लेंगे। उनके अंदर नकारात्मक भावना नहीं आएगी। रूढ़िवादिता से आगे निकलने की उनमें शक्ति होगी। कलामी ने कहा, मैं उसे 6 महीने की उम्र से ही देना चाहता था लेकिन मुझे रोक दिया गया। उन्होंने अन्य मांओं को भी यह सलाह दी। कहा-बच्चों को देने से पहले तय कर लें कि उन्हें कैसे देना ठीक होगा। आप दलिया में पिसी हुई झींगुर मिला सकती हैं। उसका प्यूरी बनाकर डाल सकती हैं। या फिंगर फूड के रूप में भी दे सकती हैं।

संविधान को नफरत की भावना से नहीं लिखा गया : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- संविधान की रक्षा राष्ट्र की प्रमुख लड़ाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा व पीएम मोदी पर जोरदार हमला बोला। नेता प्रतिपक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि आज देश में अहम लड़ाई संविधान की रक्षा और उसे संरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि देश का संविधान नफरत से नहीं, बल्कि विनम्रता और प्रेम से लिखा गया था। राहुल ने वायनाड में बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के लिए चुनाव प्रचार के तहत मनंतवडी में एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए कहा, कि हमें जो सुरक्षा मिलती है, हमारे देश की जो महानता है, वह सब संविधान से ही उपजी है। प्रियंका वायनाड लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं।

राहुल ने कहा, संविधान गुस्से या नफरत की भावना से नहीं लिखा गया था। इसे उन लोगों ने लिखा था, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत से लड़ाई लड़ी, जिन्होंने तकलीफें झेलीं, जिन्होंने वर्षों जेल में बिताए। इन लोगों ने संविधान को बड़ी विनम्रता, प्रेम और अपनेपन के भाव से लिखा था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि यह प्रेम और नफरत के बीच की लड़ाई है। उन्होंने कहा, यह आत्मविश्वास और असुरक्षा के बीच की लड़ाई है। और अगर आप वास्तव में इस लड़ाई को जीतना चाहते हैं, तो आपको अपने दिल से गुस्सा हटाना होगा, नफरत हटानी होगी और इनकी जगह प्यार, विनम्रता और करुणा का भाव लाना होगा। राहुल ने कहा कि वह पहली बार अपनी बहन के लिए वोट मांग रहे हैं, जो अतीत में उनके और उनके माता-पिता के लिए प्रचार कर चुकी हैं। राहुल ने कहा, वह वही शख्स हैं, जिन्होंने मेरे पिता की हत्या में शामिल लड़की को गले लगाया था। नलिनी से मिलकर लौटने पर उन्होंने मुझे यह बात बताई थी। वह भावुक हो गई थीं और उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें उसके लिए बुरा लग रहा है। उन्होंने कहा, उसे यही सिखाया गया है।

भाजपा का मकसद लोगों का विकास नहीं : प्रियंका

वही, प्रियंका ने चुनाव प्रचार के दौरान केंद्र सरकार पर हमला जारी रखा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर उद्योग जगत के अपने मित्रो के लिए सब कुछ करने का आरोप लगाया। कांग्रेस महासचिव ने कहा, मोदी जी की सरकार सिर्फ उद्योग जगत के उनके मित्रो के लिए काम करती है। आपको बेहतर जीवन देना उनका मकसद नही है। शिक्षित युवाओ के लिए नौकरियो के नए अवसर पैदा करना उनका मकसद नही है। लोगो को बेहतर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराना तथा उनके लिए कल्याणकारी कदम उठाना उनका मकसद नही है। प्रियंका ने मोदी सरकार पर लोगो को बांटने, उनके बीच नफरत फैलाने, उनके अधिकार छीनने और लोकतांत्रिक संस्थाओ को नष्ट करने का आरोप लगाया। प्रियंका ने कहा, उन्होने (मोदी सरकार) लोगो के अधिकारो के लिए लड़ने के कारण राहुल गांधी जी पर हमला किया। कांग्रेस महासचिव ने मदर टेरेसा के साथ किए गए काम और मनंतवडी मे रहने वाली सिस्टर रोजबेल का जिक्र किया। उन्होने क्षेत्र मे संपूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओ से लैस मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए लड़ाई जारी रखने का वादा किया।

माहिम सीट को लेकर महायुति में कोई विवाद नहीं : अठावले

» केंद्रीय मंत्री ने अटकलों को बताया अफवाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में इस महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मुंबई में माहिम विधानसभा क्षेत्र को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में विवाद की खबरों का खंडन किया। इस सीट पर शिवसेना उम्मीदवार सदा सरवनकर का सामना महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे से होने वाला है। आरपीआई-ए प्रमुख ने तीन बार के मौजूदा विधायक सरवनकर को अमित ठाकरे से मजबूत उम्मीदवार बताया है। बता दें कि अमित ठाकरे मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बेटे हैं।

आरपीआई(ए) महायुति महायुति की सहयोगी पार्टी है, जिसमें भाजपा, राकांपा और शिवसेना भी शामिल हैं। राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे का यह पहला चुनाव है, जबकि सरवनकर माहिम सीट से फिर से चुनाव लड़ रहे हैं। शिवसेना नेता ने आश्वासन दिया कि वह चुनाव से पीछे नहीं हटेंगे। भाजपा ने मनसे उम्मीदवार का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की है। रामदास अठावले ने कहा, माहिम निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत बाबासाहेब अम्बेडकर स्मारक और इंदु मिल आता है। मुझे नहीं लगता कि सरवनकर पर दबाव डालना ठीक होगा। वे वहां के मौजूदा विधायक और अमित ठाकरे से ज्यादा मजबूत उम्मीदवार हैं। मनसे उम्मीदवार के प्रति भाजपा के समर्थन पर टिप्पणी करने से उन्होंने इनकार कर दिया। आरपीआई(ए) प्रमुख ने कहा, सरवनकर महायुति के आधिकारिक उम्मीदवार थे। अमित ठाकरे ने अभी तक इस क्षेत्र के लिए कुछ भी नहीं किया। उनकी एकमात्र योग्यता है कि वे राज ठाकरे के बेटे हैं। उन्होंने अभी-अभी राजनीति में कदम रखा है, उन्हें भविष्य में और आगे तक जाना है।

जलजीवन मिशन की पाइप के गोदाम में लगी आग

» टैंकरों एवं स्थानीय लोगों की मदद से आग पर पाया गया काबू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। क़स्बा दोस्तपुर में मोतिगरपुर रोड पर जलजीवन मिशन की पाइप का गोदाम है, जिसमें आग लग गयी। आग की लपटें इतनी भयावह और तेज थी कि हलियापुर बेलवाई मार्ग पर यातायात घंटों ठप हो गया। इस हादसे में जलजीवन मिशन की 7-8 बंडल पाइप जलकर ख़ाक हो गयी। दोस्तपुर थाना की पुलिस फ़ोर्स, नगर पंचायत के टैंकरों एवं स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, वहीं फायर ब्रिगेड सूचना के बावजूद देर से पहुंचा।

जलजीवन मिशन के एजीएम आशीष तिवारी ने बताया कि जिन पाइपों का नुकसान हुआ है उनकी कीमत लगभग एक लाख रुपये हैं इनसे लगभग दो किलोमीटर लम्बी पाइप लाइन डाली जा सकती थी। उन्होंने यह भी बताया कि घटना आस-पास के खेतों में पराली जलाने के कारण हुई हैं, इसके लिए वे एफआईआर भी दर्ज कार्यवायेगे।

आज भी जिंदा है समाज में इंसानियत

बेटे का शव विदेश से लाने में निस्वार्थ की मदद

» सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हक की मेहनत एक बार फिर लाई रंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सुल्तानपुर। आज के जमाने में अब भी इंसानियत कायम है। इस अच्छे काम को समाज में बनाए रखा है सामाजिक कार्यकर्ता जिला सुरक्षा संगठन तहसील कादीपुर ईकाई के सचिव अब्दुल हकने। उनका प्रयास एक बार फिर रंग लाया। उनकी मदद के बाद सऊदी अरब कमाने गए युवक का शव 1 नवंबर 2024 को लखनऊ एयरपोर्ट पर पहुंचा जहां से वह उनके घर ले जाया गया। कादीपुर नगर पंचायत के तुलसी नगर मोहल्ला निवासी अब्दुल हक की इस सराहनीय कार्य की लोग प्रशंसा कर रहे हैं। मामला थाना दोस्तपुर के अंतर्गत देवरपुर पोस्ट पलिया गोलपुर गांव का है।

3 वर्ष पहले इसी गांव के निवासी मोहम्मद सफीक उम्र 26 पुत्र मोहम्मद मुंशी सऊदी अरब के रियाद शहर में कमाने गया था। आर्थिक रूप से कमजोर परिजनों ने अपने पुत्र सफीक को पिता मोहम्मद मुंशी परिवार की आर्थिक हालात मजबूत करने की कल्पना करते हुए विदेश कमाने के लिए भेजा था।

सफीक की रियाद में हुई थी मौत

सफीक रियाद में स्थित एक हाउस झाइवरी का काम करता था अचानक 15 अक्टूबर को सफीक से सभी का परिजनों से संपर्क टूट गया। परेशान परिजनो ने वहां रह रहे अपने बड़े बेटे के सहयोग से पता किया तो पता चला कि सफीक की करंट लगने से मौत हो गयी है। नियम कानून से अनजान पिता मोहम्मद मुंशी पुत्र का मुंह देखने के लिए तड़प रहा था। तभी मोहम्मद मुंशी को सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल हक के विषय में जानकारी हुई तो अब्दुल हक से मिलकर अपनी दुख भरी दास्तां बयां की अब्दुल हक ने भरोसा दिलाते हुए मृतक के शव को भारत वापस लाने की बात कही।

विदेश मंत्री को लिखा पत्र

उन्होंने विदेश मंत्री को पत्र लिखकर सऊदी अरब की स्थित भारतीय दूतावास संपर्क कर सारी घटना से अवगत कराते हुए शव को भारत वापस भेजने की मांग किया अब्दुल हक के लगातार संपर्क और प्रयास का परिणाम रंग लाया संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर जांच प्रक्रिया पूर्ण होकर सऊदी अरब सरकार शव भारत भेजने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया और रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने 1 नवंबर 2024 को सफीक शव भारत भेज दिया। अब्दुल हक के इस नेक कदम को लेकर क्षेत्र के लोगो ने खुशी जताई है।

डब्ल्यूटीसी फाइनल : भारत की आगे की राह हुई मुश्किल

» लगातार तीन टेस्ट हारकर अंक तालिका में दूसरे स्थान पर लुढ़का

» भारत को आस्ट्रेलिया से 4-0 से जीतनी होगी सीरीज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। न्यूजीलैंड ने भारत को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 3-0 से हरा दिया है। कीवियों ने बंगलूरू में पहला टेस्ट आठ विकेट से जीता था। इसके बाद पुणे में खेले गए दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की टीम ने 113 रन से जीत हासिल की थी। अब मुंबई में तीसरे टेस्ट को कीवी टीम ने 25 रन से अपने नाम किया। लगातार तीन हार ने टीम इंडिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की राह बेहद मुश्किल कर दी है। अब भारत को फाइनल से पहले सिर्फ ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भिड़ना है। जिसमें 4-0 से कंगारू को हराना होगा।

हालांकि टीम इंडिया को यह सीरीज कंगारुओं के घर पर खेलनी है। फाइनल के लिए भारतीय टीम को श्रीलंका, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका से टक्कर मिलने की उम्मीद है। भारतीय टीम को लगातार तीन टेस्ट हार से नुकसान हुआ है। टीम इंडिया पहले से दूसरे स्थान पर लुढ़क गई है। भारत ने 2023-25 चक्र में अब तक 14 टेस्ट खेले हैं। इसमें से आठ में जीत हासिल की है और पांच में भारत को हार का सामना करना पड़ा है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। भारतीय टीम का अंक प्रतिशत 58.33 है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले स्थान पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया का अंक प्रतिशत 62.50 है। श्रीलंका फिलहाल तीसरे स्थान पर है।

पंत को गलत आउट देने पर रोहित बोले- हर टीम के लिए एक ही नियम होना चाहिए

मुंबई। न्यूजीलैंड ने भारत को तीसरे टेस्ट मैच में 25 रनों से हराकर 0-3 से सीरीज अपने नाम कर ली। मुंबई में खेले गए इस मैच से जुड़ा एक मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें अब रोहित शर्मा की भी एंट्री हो गई है। दरअसल, पारी के 22वें ओवर में न्यूजीलैंड ने डीआरएस की मांग की और तीसरे अंपायर ने फैसला पलटते हुए आउट घोषित कर दिया।मैदानी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था इस पर रोहित बोले कि ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता। अगर हम कुछ कहते हैं तो उसे अच्छी तरह से स्वीकार नहीं किया जाता है। अगर कोई निर्णायक सबूत नहीं है, तो फैसला ऑन-फील्ड अंपायर के फैसले के साथ ही खड़ा रहना चाहिए। मुझे यही बताया गया है। मुझे नहीं पता कि फैसला कैसे पलट गया। उन्होंने आगे कहा- यह अंपायरों के लिए सोचने वाली बात है। हर टीम के लिए एक ही नियम होना चाहिए, मन बदलते रहना ठीक नहीं है।

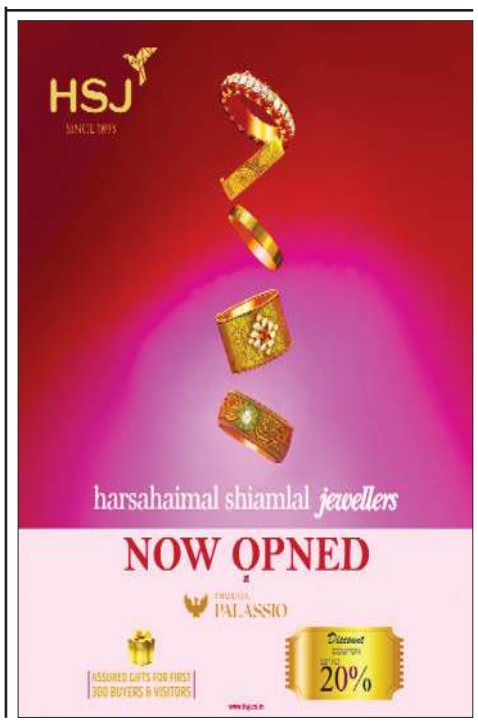

महायुति विश्वासघात करने वाला गठबंधन : जयराम

बोले- किसानों को नजरअंदाज किया गया, कांग्रेस ने महाराष्ट्र सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों में एक दूसरे पर हमला जारी है। कांग्रेस ने वहां की गठबंधन सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने महायुति गठबंधन को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति को विश्वासघाती गठबंधन बताया। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य के लोग उनके असफल वादों के लिए उन्हें माफ नहीं करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में किसानों को सबसे ज्यादा नजरअंदाज किया गया। उनसे किए गए बड़े-बड़े वादों का कोई नतीजा नहीं निकला। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि मराठवाड़ा के हर गांव में पाइप से पीने का पानी पहुंचाने के लिए जल ग्रिड बनाने का वादा भी पूरा नहीं हुआ।

सोशल मीडिया पिलेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए जयराम रमेश ने महायुति सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में होने वाले चुनाव पर महायुति को लेकर जयराम रमेश ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महायुति को विश्वासघाती गठबंधन बताया। उन्होंने कहा, महायुति एक ऐसी सरकार है जो विश्वासघात पर बनी हुई है। यह भरोसे के साथ विश्वासघात, विचारधारा के साथ विश्वासघात और स्वयं महाराष्ट्र के लोगों के साथ विश्वासघात पर बनी है। किसान इनके राज में सबसे ज्यादा उपेक्षित रहे हैं। सरकार ने उन्हें सिर्फ बड़े-बड़े वादे दिए हैं, हासिल कुछ भी नहीं हुआ है।

महाराष्ट्र मे विचारधारा की राजनीति खत्म : मलिक

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख अजित पवार राज्य मे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावो के बाद निर्णायक भूमिका मे होगे। मुंबई की मानखुर्द-शिवाजीनगर सीट से राकांपा उम्मीदवार ने कहा कि महाराष्ट्र मे विचारधारा की राजनीति खत्म हो गई है और कोई नही जानता कि कौन किस पार्टी का साथ देगा। उन्होने दावा किया, ऐसी भी अटकले है कि राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार और शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे हाथ मिला लेगे। मलिक का मुकाबला समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार और महा विकास आघाडी (एमवीए) समर्थित मौजूदा विधायक अबू आजमी और शिवसेना के सुरेश पाटिल से है। शिवसेना और राकांपा महायुति गठबंधन मे भागीदार है। गठबंधन के ही घटक दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओ ने घोषणा की है कि वे मलिक के लिए प्रचार नही करेगे। भाजपा मलिक की कटु आलोचक रही है।

इतना डरे क्यों हैं गृहमंत्री फडणवीस : संजय राउत

हाल ही में राज्य के गृह मंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सुरक्षा बढ़ाई गई है। इस पर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने सवाल उठाए हैं। राउत ने मजाकिया लहजे में कहा कि फडणवीस को कोई विशेष खतरा है तो उन्हें साफ करना चाहिए। राउत ने कहा कि हमारे गृह मंत्री इतने डरे हुए क्यों हैं? उन पर कौन हमला करना चाहता है? क्या इस्राइल या लीबिया उन पर हमला करने वाला है? उन्हें सबको इसके बारे में बताना चाहिए। दरअसल, देवेंद्र फडणवीस को वर्तमान में जेड-प्लस सुरक्षा दी गई है। इसमें उनकी सुरक्षा के लिए नागपुर में अतिरिक्त फोर्स वन कमांडो तैनात किए गए हैं। इस पर राउत ने दावा किया कि शहर में लगभग 200 फोर्स वन कमांडो तैनात किए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि गृह मंत्री, जो एक पूर्व मुख्यमंत्री भी हैं, उन्होंने अचानक अपनी इतनी सुरक्षा क्यों बढ़ा दी है? जो शख्स दूसरों की रक्षा का फैसला करता है। उसने खुद की सुरक्षा बढ़ाई है। अचानक हमने उनके घर के बाहर फोर्स वन कमांडो देख रहे हैं।

महाराष्ट्र में चुनाव से पहले बीजेपी–शिवसेना गठगंधन में खटास!

खबर महाराष्ट्र के उल्हासनगर से हैं जहां भाजपा जिला अध्यक्ष रामचंदानी के बयान को लेकर शिवसेना ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। शिवसेना ने कहा है कि जब तक भाजपा नेता माफी नहीं मांगते, शिवसेना यहां भाजपा उम्मीदवार के लिए काम नहीं करेगी। युवा सेना के कल्याण जिला महासचिव विक्की भुल्लर ने रविवार को कहा कि रामचंदानी को कोई भी शब्द बोलने से पहले उसे समझना चाहिए। उन्होंने शिवसेना प्रमुख और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को गद्दार कहा है, जो गलत है। रामचंदानी ने सभा में बोलते हुए कहा था कि जिन्हें गद्दार कहा जाता है वह मुख्यमंत्री बन जाते हैं और भाजपा में आकर सब खुद्दार हो जाते हैं। भुल्लर ने कहा, उन्होंने (शिंदे ने) कोई गद्दारी नहीं की है। उन्होंने हिंदू हृदय सम्राट बाला साहब ठाकरे के हिंदुत्व को बचाने के लिए यह काम किया है। शिवसेना नेता ने कहा है कि रामचंदानी ने आज जो बयान दिया है, उसका हम खुला विरोध करते हैं। जब तक वह माफी नहीं मांगते उल्हासनगर शिवसेना भाजपा उम्मीदवार कुमार आयलानी के लिए कोई काम नहीं करेगी। सत्तारूढ़ महायुति में सीट बंटवारे में यह सीट भाजपा के खाते में गई है। इससे पहले आज सुबह प्रदीप रामचंदानी ने पार्टी लाइन से इतर कहा कि जिन्हें गद्दार कहा जाता है वह मुख्यमंत्री बन जाते हैं और भाजपा में आकर सब खुद्दार हो जाते हैं। बदलते समय के साथ राजनीति की परिभाषा बदल गई है। इस बयान से शिवसेना कार्यकर्ता काफी नाराज हैं। हालांकि, रामचंदानी ने माहौल गर्म होते देख कहा है कि उनके बयान का अलग मतलब निकाला गया है। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे जबकि मतगणना 23 नवंबर को होगी। चुनाव से पहले कुछ दिनों से शिवसेना और भाजपा के बीच दरारें देखने को मिल रही हैं।

फोटो : 4पीएम

गुस्सा आज सुबह गाजियाबाद से आयी महिला ने विधानसभा के सामने आत्महत्या का प्रयास किया। जिसे मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने समय रहते बचा लिया। उक्त महिला से हजरतगंज थाने में पूछताछ की जा रही है।

भाजपा का एजेंडा जनता करे खारिज : सिद्धारमैया

» कांग्रेस ने भाजपा की वक्फ मुद्दे पर राज्यव्यापी रैली को बताया राजनीतिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा पर जोरदार निशाना साधा है। दरअसल सोमवार को भाजपा वक्फ मुद्दे पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है। इस पर कांग्रेस नेता व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनका मकसद पूरी तरह से राजनीतिक है, किसानों के कल्याण की रक्षा में उनकी कोई वास्तविक रुचि नहीं है।

सीएम सिद्धारमैया ने कहा, मैं कर्नाटक के लोगों से इस विभाजनकारी, विनाशकारी एजेंडे को खारिज करने और एक ऐसे कर्नाटक के निर्माण में हमारे साथ खड़े होने का आह्वान करता हूं जो सभी को एकजुट करे, प्रगति करे और समृद्ध करे। राज्य के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग की तरफ से यह आरोप लगाए जाने के बाद कि उनकी भूमि को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है, भाजपा ने सोमवार को राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है, जिसमें सत्तारूढ़ कांग्रेस पर भूमि जिहाद का आरोप लगाया गया है और वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की गई है।

बीजेपी के असली इरादे समझें लोग

सीएम सिद्धारमैया ने कहा, मैं कर्नाटक के लोगों से कर्नाटक भाजपा के असली इरादों को समझने का आग्रह करता हूं। हमारी सरकार की तरफ से वक्फ संपत्ति मुद्दों पर किसानों को जारी किए गए नोटिस को तुरंत वापस लेने का आदेश दिए जाने के बाद भी, भाजपा नेता अपने विरोध प्रदर्शन में लगे हुए हैं। उनके इरादे पूरी तरह से राजनीतिक हैं और हमारे किसानों के कल्याण की रक्षा में उनकी कोई वास्तविक रुचि नहीं है।

किसानों को जारी सभी नोटिस लिए जाएं वापस : मुख्यमंत्री

उन्होंने कहा कि वक्फ संपत्ति मामले में उनकी सरकार ने पहले ही निर्देश दिया है कि किसानों को जारी किए गए सभी नोटिस तुरंत वापस लिए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि अभिलेखों में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने एक बयान में कहा, मैंने अधिकारियों को स्पष्ट कर दिया है- ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए जिससे किसानों को असुविधा हो। फिर भी, भाजपा नेता विरोध करना चुनते हैं। सवाल यह है कि क्यों? सिद्धारमैया ने कहा कि संपत्ति स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी करना एक मानक प्रशासनिक प्रक्रिया है और दावा किया कि पूर्व भाजपा मुख्यमंत्रियों बीएस येदियुरप्पा, डीवी सदानंद गौड़ा, जगदीश शेट्टार और जेडी (एस) नेता एचडी कुमारस्वामी की सरकारों ने भी वक्फ संपत्तियों के संबंध में इसी तरह के नोटिस जारी किए थे।

यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, 38 की मौत

» अल्मोड़ा जिले में हुआ दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 38 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 38 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं। डीएम देहरादून को भी रेस्क्यू ऑपरेशन की देखरेख के लिए विशेष रूप से वहां भेजा जा रहा है। एसडीआरएफ के साथ ही एनडीआरएफ की टीम भी घटना स्थल पर पहुंच गई हैं रेस्क्यू और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एयरलिफ्ट करने के लिए भी निर्देश दिए हैं।

सीएम ने किया मुआवजे क एलान, एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा के संबंधित क्षेत्र के एआरटीओ प्रवर्तन को निलंबित करने के निर्देश दिए। सीएम ने मृतक परिजनों को 4-4 लाख रूपये और घायलों को 1-1 लाख रुपये की सहायता राशि देने का निर्देश दिया है। आयुक्त कुमाऊं मंडल को घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए गए हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अल्मोड़ा में बस हादसे पर सचिव आपदा प्रबंधन,आयुक्त कुमाऊं मंडल और डीएम अल्मोड़ा से फोन पर बात कर घटना की जानकारी ली और बचाव और राहत कार्य तेजी से चलाने के निर्देश दिए।

बस में सवार थे 55 से ज्यादा यात्री

बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 38 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।